http://krishipravahika.vitalbiotech.org/

कृषि प्रवाहिका: ई-समाचार पत्रिका

e-ISSN: 2583 – 0430

कृषि-प्रवाहिका: ई-समाचार पत्रिका, (2026) वर्ष 6, अंक 7, 01-02

Article ID:612

छतों पर सब्ज़ी बागवानी: भारत में शहरी खाद्य सुरक्षा का समाधान

डॉ. जितेन्द्र कुमार मीणा, श्री राजपाल बोचालिया

सहायक प्रोफेसर, एपेक्स विश्वविद्यालय, जयपुर

***अनुरूपी लेखक**

डॉ. जितेन्द्र कुमार मीणा*

भारत की शहरी जनसंख्या 2030 तक 60 करोड़ से अधिक हो जाएगी। घटती कृषि भूमि और खाद्य आपूर्ति श्रृंखलाओं पर बढ़ते दबाव के कारण, शहरी खाद्य सुरक्षा एक बड़ी चुनौती बन गई है। छतों पर सब्ज़ी बागवानी एक ऐसा नवाचार है जो बेकार पड़ी छतों का उपयोग कर ताज़ी, जैविक और पोषक सब्ज़ियाँ उगाने का अवसर प्रदान करती है।

खाद्य सुरक्षा के लिए छतों पर बागवानी क्यों?

- बेकार पड़ी जगह का उपयोग: अधिकतर शहरी छतें खाली रहती हैं जिन्हें हरे-भरे बागानों में बदला जा सकता है।
- खाद्य परिवहन की दूरी कम करना: यहीं पर उगाई गई सब्ज़ियाँ परिवहन की लागत और प्रदूषण को कम करती हैं।
- पूरे साल उपलब्धता: उचित प्रबंधन से सालभर सब्ज़ियाँ प्राप्त की जा सकती हैं।
- रोजगार और कौशल विकास: यह महिलाओं और वृद्धजन के लिए अंशकालिक रोजगार का स्रोत बन सकता है।
- स्वास्थ्य और पोषण: ताज़ी, कीटनाशक मुक्त और पोषक सब्ज़ियाँ उपलब्ध कराता है।

भारत में छतों पर उगाई जाने वाली उपयुक्त सब्ज़ियाँ

मौसम	उपयुक्त सब्ज़ियाँ
गर्मी	टमाटर, बैंगन, भिंडी, मिर्च, लौकी, खीरा
सर्दी	पालक, मेथी, धनिया, मूली, गाजर, मटर, पत्तागोभी
सालभर	कढ़ी पत्ता, पुदीना, लेमनग्रास, ऐलोवेरा, अदरक, हल्दी

बर्तन सुझाव: ग्रो बैग्स, पुराने डिब्बे, मिट्टी के गमले, प्लास्टिक की टोकरियाँ जिनमें पानी निकासी हो।

प्रमुख तकनीकें और प्रणालियाँ

1. मिट्टी आधारित कंटेनर बागवानी: प्रारंभ करने वालों के लिए उपयुक्त, जिसमें खाद और मिट्टी का मिश्रण होता है।
2. वर्टिकल गार्डनिंग: दीवारों और खंभों के सहारे अधिकतम उपयोग।
3. हाइड्रोपोनिक्स: बिना मिट्टी के पोषक जल में खेती।
4. ड्रिप सिंचाई: जल की बचत और समान वितरण।
5. कम्पोस्ट यूनिट: रसोई के कचरे से जैविक खाद तैयार करना।

कृषि प्रवाहिका
ई-समाचार पत्रिका
http://krishipravahika.vitalbiotech.org
e-ISSN: 2583 - 0430
कृषि-प्रवाहिका: ई-समाचार पत्रिका

मुख्य चुनौतियाँ और समाधान

चुनौती | समाधान

जल की कमी | ग्रे वॉटर और ड्रिप प्रणाली का प्रयोग
छत की भार क्षमता | हल्के कंटेनर और मिट्टी के मिश्रण का उपयोग
प्रारंभिक लागत | सरकारी सब्सिडी और सामुदायिक मॉडल
जागरूकता की कमी | प्रशिक्षण शिविर और शहरी कृषि नीतियाँ

सरकारी नीति और समर्थन

दिल्ली, बेंगलुरु और हैदराबाद जैसे कई शहर छतों पर बागवानी को प्रोत्साहन देने के लिए प्रशिक्षण और सब्सिडी की योजना चला रहे हैं। स्मार्ट सिटी मिशन, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन और AMRUT जैसी योजनाओं में छतों पर खेती को शामिल किया जा सकता है।

सफलता की कहानियाँ

- हैदराबाद: तेलंगाना बागवानी विभाग में 25,000 से अधिक छतों पर बगीचे पंजीकृत।
- चंडीगढ़: नगर निगम प्रशिक्षण और बीज को रियायती दरों पर उपलब्ध कराता है।

निष्कर्ष

छतों पर सब्ज़ी बागवानी केवल शौक नहीं बल्कि एक व्यावहारिक और टिकाऊ उपाय है जो भारत में शहरी खाद्य असुरक्षा को दूर कर सकता है। सही नीतियों, जनजागरूकता और सामुदायिक भागीदारी से भारत की छतें एक नए खाद्य स्रोत के रूप में विकसित की जा सकती हैं।